अर्पण मानसिक विकलांग बाल संस्था, रोहतक

वार्षिक रिपोर्ट – 2016–2017

अर्पण मानसिक विकलांग बाल संस्था, रोहतक भारतीय रैड क्रॉस सोसायटी जिला शाखा रोहतक द्वारा संचालित संस्था है। यह सन् 1983 से बौद्धिक अक्षमता के क्षेत्र में शिक्षण/प्रशिक्षण देने वाली पूरे उत्तरी भारत की सबसे पहली व सबसे अग्रणीय कार्य करने वाली सर्वोत्तम संस्था है। अर्पण संस्था में बौद्धिक रूप से असक्षम बच्चों को स्थानीय व आवासीय सुविधा के तहत प्रशिक्षण दिया जाता है जिसके अन्तर्गत बच्चों को शैक्षणिक, व्यवसायिक, फिजियोथैरेपी, वाक् स्पीच थैरेपी, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, खेल–प्रशिक्षण, आर्ट–क्राफ्ट प्रशिक्षण, व अन्य गतिविधियों का शिक्षण/प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे इन बच्चों में जल्दी से सुधार आता है।

अर्पण संस्था में पूरे भारत से बौद्धिक अक्षमता में शिक्षण/प्रशिक्षण के लिए लोग जानकारी लने के लिए आते हैं। संस्था द्वारा उपलब्ध सेवाओं से प्रशिक्षण लेकर मानसिक दिव्यांगों ने आसमान की ऊँचाईयों को छुआ है जिससे वे अपने देश के साथ–साथ विदेशों में भी अपनी मेहनत से सफलता का झंडा फहराया है। संस्था के बच्चे समाज की प्रत्येक गतिविधियों मे बढ़–चढ़ कर भाग लेते हैं फिर वो चाहे खेल का मैदान हो या ड्राइंग, या कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम। हर क्षेत्र में संस्था के बच्चों द्वारा अपनी प्रतिभा को दिखाया गया है जिससे देखने वाले भी तारीफ किए बिना नहीं रह पाये।

अर्पण संस्था में **केशव मलिक** अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन में गोल्ड मेडल व हरियाणा सरकार द्वारा भीम अवार्ड से सम्मानित छात्र है, वहीं कुमारी **इशा खासा** को अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर टेबल टेनिस में गोल्ड मेडल व हरियाणा सरकार द्वारा 20 लाख की राशि से सम्मानित छात्रा है। कुमार **गगन पसरीजा** को राष्ट्रीय स्तर पर ड्राइंग में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति मिलती है, वहीं **अक्षय कुमार** को राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा गवर्नर

द्वारा बाल दिवस पर सम्मानित किया गया है। इसी तरह अन्य मानसिक दिव्यांगों ने भी अपने प्रयत्नों से नई–नई उड़ानों को भरा है।

संस्था से ट्रेनिंग लेने के बाद कई मानसिक दिव्यांगों द्वारा सामान्य जीवनशैली को अपनाया गया, जिससे वे आत्मनिर्भर बने। लड़कियों को घरेलू कार्य में निपुण किया गया है, उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है जिससे अभिभावकों को मानसिक तनाव से राहत मिली है। उन्हें भी खुशी हुई है कि अर्पण संस्था दिव्यांगता के प्रशिक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। आज अर्पण संस्था को एक सफलता की ऊँचाइयों को छूती हुई सबसे अग्रणीय संस्था के नाम से जाना जा रहा है।

वर्ष 2016–2017 में अर्पण संस्था ने कई नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं व अनेक विशिष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं जिनका ब्यौरा अगले पृष्ठों में किया जा है।

उद्देश्य

1. बौद्धिक रूप से अक्षम बच्चों में शैक्षणिक व व्यवसायिक प्रशिक्षण देकर उनमें विद्यमान कौशल का विकास करना, ताकि वह किसी पर निर्भर न रहे और अपने आपको आत्मनिर्भर बनाकर अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

2. गाँव व शहर के दूर–दराज इलाके जहाँ पर विशेष स्कूल या संस्था नहीं है, जैसे झुग्गी बस्ती, ठेके ईंट के भट्ठों पर काम करने वाले मानसिक विकलांग बालकों के लिए 'ग्रह प्रशिक्षण कार्यक्रम' के माध्यम से पुर्नवास करना, शिक्षित करना।

3. 0–5 वर्ष के बच्चों को शीघ्र हस्ताक्षेप कार्यक्रम के माध्यम से लाभान्वित करके अभिभावकों को जागरुक करना।

4. कैंप, अखबार, मीडिया, टी.वी., नाटक, व अन्य माध्यम द्वारा समाज में बौद्धिक अक्षमता के बारे में जनता को जागरुक करना ताकि समाज में बौद्धिक अक्षमता को कम कर सकें।

5. बौद्धिक रूप से अक्षम बच्चों के अभिभावकों को शिक्षित करना, उन्हें अपने बच्चों की जरूरतों के प्रति सजग करना, उनको थैरेपिस्ट के तौर पर प्रशिक्षण में शामिल करना व आत्मनिर्भर बनाना।

6. बौद्धिक अक्षमता से संबंधी गतिविधियों में सम्मिलित स्कूलों, संस्थाओं की मदद करना व समाज से जोड़ना।

7. बौद्धिक अक्षमता में देश–विदेशों मे होने वाली रिसर्च व नवीन शोध की जानकारी रखना।

8. विशेष बच्चों को सेवा देने वाले विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षित करना तथा अल्पकालिक अवधि के कोर्स करवाना व अक्षमता के क्षेत्र में काम करने वाले प्रोफेशनल्स के लिए वर्कशाप या सेमीनार करवाना।

संस्था द्वारा उपलब्ध सेवाएं –

1. शैक्षिक प्रशिक्षण देना।

2. व्यवसायिक प्रशिक्षण देना।

3. वॉक चिकित्सा प्रदान करना।

4. फिजियो आकुपेशनल थैरेपी प्रदान करना।

5. नृत्य व गायन में प्रशिक्षण प्रदान करना।

6. खेल क्रियाओं में प्रशिक्षण प्रदान करना।

7. कम्प्यूटर के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करना।

8. बच्चों के अभिभावकों/भाई बहनों को विशेष बच्चों के प्रशिक्षण सम्बन्धित कार्यों में मदद करना।

9. बच्चों के अभिभावकों को शिक्षित करना।

10. बच्चों के अभिभवाकों को गृह आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षित करना।

11. निदानात्मक क्लीनिक का संचालन करना।

12. शीघ्र हस्तक्षेप कार्यक्रम चलाना।

13. मानव संसाधन कार्यक्रम चलाना।

हरियाणा में प्रथम –

1. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसके द्वारा मानसिक विकलांग बच्चों के शिक्षण व प्रशिक्षण कार्य प्रारम्भ किए गए।

2. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसमें मानसिक मन्द बच्चों के लिए आवासीय सुविधाएं प्रदान की गई।

3. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसमें मानसिक मन्द बच्चों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए।

4. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसमें मानसिक मन्द बच्चों के निदान हेतु प्रथम डाइग्नोस्टिक क्लीनिक की शुरूआत की गई।

5. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसने अभिभावक, शैक्षिक कार्यक्रम, अभिभावक समूह सभा, अभिभावक सशस्तीकरण का कार्यक्रम शुरू किया व हरियाणा की प्रथम पेरैन्टस एसोसिएशन का गठन किया।

6. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसने मानव संसाधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत डिप्लोमा इन मैन्टल रिटार्डेशन का एक वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू किया।

7. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसके द्वारा छोटी अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किये गए जैसे ब्रिज कोर्स, मेडिकल आफिसरज़ को–ओरिएंटेशन, सी.आर. ई. ग्रामीण स्वयंसेवियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, अभिभावकों के लिए कार्यशाला जैसे कार्यक्रम शुरू किए गए।

8. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसके द्वारा समुदाय पुर्नवास प्रोजेक्ट के तहत लाखनमाजरा ब्लॉक के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के निवासी मानसिक मंद बच्चों को ग्रामीण स्तर पर प्रशिक्षण सुविधा दी।

9. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसके द्वारा सर्वप्रथम 0–6 वर्ष के मानसिक मन्द व विकास में देरी वाले बच्चों के लिए शीघ्र हस्तक्षेप कार्यक्रम शुरू किया गया।

10. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसने मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय पुर्नवास परिषद् ने तत्वाधान स्ट्डी सैन्टर शुरू किया तथा बी.एड. विशेष शिक्षा (पोस्ट ग्रैजुएशन डिप्लोमा इन स्पेशल एजुकेशन एण्ड फाउन्डेशन कोर्स इन स्पेशल एजुकेशन) (सभी पत्राचार माध्यम से) की शुरूआत की।

11. हरियाणा राज्य की प्रथम संस्था जिसने नैशनल ट्रस्ट का राज्यस्तरीय विभाग बनने का गौरव हासिल किया तथा छः माह की अवधि का केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

12. देश की प्रथम संस्था जिसने सीवियर व मल्टीपल डिसएबल्ड बच्चों के लिए उनके अभिभावकों के सहयोग से वन–टू–वन सैटिंग में प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किया।

प्रमुख उपलब्धियाँ – 2016–2017

1. वर्ष 2016–2017 में अर्पण संस्था के Education Group का छात्र नितिन अपने घर के पास किरयाणे की दुकान पर काम पर लग गया है जहाँ उसे मासिक 4000/– की कमाई होती है। उसको Training के दौरान Money Concept, Packing, Communication Skills, Vocational Skills में निपुण किया गया।

2. इस वर्ष Education Group के हर्षित जैन अपने पिता के साथ सुजु स्टील कंपनी, हिसार रोड, रोहतक में Packing Incharge की Post पर कार्य करने लगा है जहाँ उसे 5000 से 6000/– मासिक वेतन मिलता है। अर्पण संस्था से successfully training लेकर आज वह Normal Life spend कर रहा है। और समाज की मुख्य धारा से जुड़ गया है।

3. अर्पण संस्था में Pre-Voc-II-A के मास्टर दिपांशु शर्मा की भी फर्नीचर की दुकान पर Placement की गई है जहाँ उसे मासिक 3,000/– की कमाई होती है।

4. इसी वर्ष वोकेशनल ग्रुप (Girls) में कुमारी रीतु की संस्था से Successfully Training लेने के बाद उसकी शादी एक सामान्य व्यक्ति के साथ की गई। अब वह समाज की मुख्य धारा से जुड़ कर एक शांतिपूर्वक जीवन व्यतीत कर रही है।

5. इसी वर्ष अक्षय कुमार को National Drawing Competition में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार मिला, जिसे हरियाणा के गर्वनर माननीय श्री कप्तान सिंह सोलंकी जी ने 14 नवम्बर 2016 को पुरस्कार देकर संस्था का गौरव बढ़ाया।

6. संस्था में 26 जनवरी 2017 को राजीव गाँधी स्टेडियम रोहतक में संस्था के 80 बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और स्टेज पर आये Chief Guest Minister ने बच्चों के डाँस से प्रभावित होकर जोरदार तालियों के साथ प्रशंसा की। संस्था द्वारा ''एक सफल प्रयास दिव्यांग के साथ'' की झाँकी प्रस्तुत की जिसमें संस्था के बच्चों द्वारा Sports/Computer की Activities को दर्शाया गया।

7. इस वर्ष कुमारी ईशा खासा को Special Olympic में International Level पर Table Tennis में Gold Medal मिलने पर 20 लाख की राशि चैक द्वारा हरियाणा युवा खेल क्रीड़ालयं मंत्रालय द्वारा इस छात्रा को पुरस्कार तौर पर प्रदान की जिसकी Secretary, Indian Red Cross, District Branch ने भरपूर प्रशंसा व सराहना की व संस्था के सभी सदस्यों नें भी प्रशंसा कर हौसला बढ़ाया।

8. 15 अगस्त 2016 को संस्था के 82 बच्चों ने राजीव गाँधी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम में (Group Dance) में हिस्सा लिया। जिसे मंच पर Chief Guest Minister of Haryana ने संस्था को 2nd Prize देकर सम्मानित किया। सभी बच्चों की प्रशंसा की।

9. 15 अगस्त 2016 को संस्था की रोटरी क्लब द्वारा झण्डा ध्वजारोहन किया, जिसमें बच्चों ने कई कार्यक्रम प्रस्तुत किये, जिसमें डांस, कविता, नाटक के माध्यम से देशभक्ति के प्रति अपनी भावना को दिखाया गया। सभी प्रतिभागी बच्चों को रोटरी क्लब व श्री राजेश जैन (CEO), LPS Bossard ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

10. इस अवसर पर संस्था में पौधारोपण किया गया। सभी बच्चे पौधों के पालन–पोषण के लिए आगे आये व सभी ने पौधे लगाने का संकल्प लिया।

11. 5 सितम्बर 2016 को Lions Club ने संस्था में Teacher's Day celebrate किया जिसमें Secretary, Indian Red Cross, Rohtak व Lions Club के Members द्वारा सभी Teachers को उपहार देकर सम्मानित किया गया। – संस्था में अध्यापकों द्वारा किये गये शिक्षण प्रशिक्षण की तारीफ की। संस्थाा की गतिविधियों से प्रभावित होकर Lions Club ने इसे हमेशा सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम में कोर्डिनेटर राजबाला राणा, सोशल वर्कर नीलम व अन्य सभी मौजूद रहे।

12 संस्था में भारत विकास परिषद् द्वारा स्वास्थ्य कैंप लगाकर बच्चों की जाँच की गई। संबंधित बीमारी से सभी अभिभावकों को बीमारी के बचाव व उपाय बताये।

13. अर्पण संस्था में सितंबर 2016 को अर्पण संस्था के 2 छात्र व 2 स्टाफ सदस्यों ने अम्बा कम्प्यूटर प्रोजेक्ट बैंगलौर में One Week Computer Training में भाग लिया। इस कैंप में बच्चों व Staff Members श्रीमती मंजीत, श्रीमती मीना को Computer पर Projects की जानकारी दी। बैंगलौर में कैंप द्वारा संस्था को 2 लैपटॉप दिये गये ताकि बच्चों को Technology की नई–नई जानकारी मिल सके।

14. 25 नवंबर 2016 को जिला उपायुक्त महोदय ने अर्पण संस्था में Visit की। यहाँ पर सभी बच्चों को सर्दियों के कपड़े/ड्रैस वितरित किये और संस्था द्वारा दी जा रही ट्रेनिंग की सराहना की।

15. दिनांक 3–12–16 को संस्था में कानूनी परामर्श व जानकारी का कैंप लगाया गया, जिसमें स्टाफ व अभिभावकों को कानून संबंधी नई–नई सूचनाओं की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर एडवोकेट श्रीमती इन्दू चौहान व वकील श्रीमती ऊषा गिरोहा ने अपने–अपने क्षेत्र से संबंधित जानकारी दी ताकि आमजन को फायदा हो सके।

16. 19–12–16 को संस्था में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मॉडल टाऊन ब्रांच के स्टाफ ने संस्था में Visit की। सभी बच्चों को स्टेशनरी वितरित की। बैंक द्वारा सभी Staff Members को Buddy, Paytm Camp लगाकर जानकारी दी। बच्चों के खाते संबंधी व सुकन्या स्कीम के बारे में विस्तारपूर्वक बताया ताकि आमजन को फायदा हो सके। इस मौके पर बैंक के प्रमुख अधिकारी श्री विनोद अरोड़ा, AGM SBI, RASMECCC Rohtak, श्री उमेश आर्य, मॉडल टाऊन ब्रांच, सचिव, जिला रैड क्रॉस सोसायटी श्री देवेन्द्र चहल, स्कूल कोर्डिनेटर राजबाला राणा, सोशल वर्कर श्रीमती नीलम ने और अन्य सभी स्टाफ सदस्यों ने इस कैंप में सहयोग दिया।

17. 23–12–16 को संस्था में डॉ. रोहित नारा द्वारा बच्चों के लिए हड्डियों की जांच हेतु कैंप लगाया गया जिसमें हड्डियों संबंधी बीमारी के उपाय व इलाज की जानकारी दी। अभिभावकों ने इस कैंप का फायदा उठाया। स्कूल कोर्डिनेटर राजबाला राणा, सोशल वर्कर नीलम ने इस कैंप में सहयोग देकर इसे सफल बनाया।

18. नववर्ष 2017 पर डॉ. प्रवीण मल्होत्रा, PGIMS, Rohtak, डॉ. हेमन्त बख्शी (ग्रुप पंजाब–हरियाणा) के सदस्यों ने मिलकर संस्था में नये साल के उपलक्ष्य में बच्चों की व संस्था की सुख–समृद्धि हेतु हवन करवाया, जिसमें सभी बच्चों ने आहूति डाली व बच्चों को प्रसाद दिया गया। सभी ने नये साल की शुभकामनाओं के साथ अपना नया साल मनाया।

19. अर्पण संस्था में Blooming Dale Club व Inner Wheel Club के Members ने सभी बच्चों को Refreshment दी एवं संस्था में Hostaler Students के लिए सहयोग दिया। अपना Birthday Celebrate किया। सोशल वर्कर श्रीमती नीलम द्वारा यहां Birthday Celebrate करवाया गया ।

20. 28–3–17 को श्री सुधीर फोगाट OSD & इस्पात मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा संस्था में Visit की गई। यहाँ की गतिविधियों से खुश होकर यहाँ पर और भी अच्छा प्रशिक्षण देने के लिए Staff को प्रेरित किया। मौके पर सचिव व देवेन्द्र चहल, जिला रैड क्रॉस सोसायटी, कोर्डिनेटर राजबाला राणा, सोशल वर्कर नीलम तथा अन्य Staff Members मौजूद रहे।

21. अर्पण संस्था में M.D.University की M.A. (IVth Semester) की Psychology की Students(2 months) ने Internship की जिसमें इन छात्राओं ने बच्चों की Behaviour Modification पर कार्य किया। 6–3–17 से 5–5–17 तक।

22. अर्पण संस्था में I.C. College of Home Science, CCSHAU, Hissar की B.Sc. Home Science की 6 छात्राओं ने संस्था में 15–2–17 से 15–5–17 तक Internship की जिस दौरान सभी छात्राओं ने अलग–अलग ग्रुपों में बच्चों को Art/Craft, Flower Pot Making, Hand Bags, Met, Blocks, Pillow Covers, Vocational Skills, Numbers Skills, Concertum Skills की Training दी।

23. संस्था में 21 मार्च 2017 को विश्व डाऊन सिंड्रोम दिवस को मनाया गया, जिसमें संस्था में ट्रेनिंग ले रहे Down Syndrome Children सं Drawing Activities करवाई गई। जिसमें सभी प्रतिभागी बच्चों को स्टेशनरी किट उपहार में वितरित की। इस दिन श्रीमति नगराधीश द्वारा सभी बच्चों को

Sports Dress / Lower-TShirt देकर उनका हौंसला बढ़ाया। सभी को संस्था द्वारा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

24. संस्था में 2 अप्रैल 2017 को विश्व ऑटिज्म दिवस को मनाया गया, जिसमें संस्था में अक्षय, रीतिका, पार्थ, दिपेश, राहुल सरीन, हरलीन आदि ने Drawing/Blocks Activities/Ring Loss आदि में भाग लिया। सभी बच्चों को Water Bottles देकर उन्हें पुरस्कार से सम्मानित किया। – फोटो –

25. संस्था में फरवरी 2017 में सत्यम मॉल में सिनेमा हाल में MSG-4 – 'हिंद का पाक को जवाब' नामक फिल्म दिखाई गई, जहाँ सभी बच्चों ने भरपूर मनोरंजन किया। – फोटो

26. अर्पण संस्था द्वारा बच्चों को झील पर घुमाया गया जहाँ पर बच्चों ने Sports Activities में भाग लिया।

Social Worker द्वारा उपलब्ध सेवाएं :–

अर्पण संस्था में वर्ष 2016–2017 में 20 मानसिक दिव्यांग बच्चों को संस्था में दाखिले कराये गये। 80 बच्चों के अभिभावकों को उनकी प्रशिक्षण संबंधी सेवाओं की जानकारी देकर उनके आसपास के मानसिक दिव्यांग प्रशिक्षण केन्द्रों के बारे में जानकारी दी गई। 25 बच्चों को Home Based Training के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। संस्था में 47 बच्चों का रजिस्ट्रेशन कराया गया। 10 बच्चों को Hostel Facilities के तहत दाखिला कराया गया। बाहर से आने वाले School/College/ Companies/Govt./Non-Govt. Institutions/Doctors/VIP etc. की संस्था में Visit करायी गई, जिनकी कुल संख्या 50 रही। संस्था की सभी सुविधाओं/शिक्षण (प्रशिक्षण) उपलब्धियों की विस्तृत जानकारियों की Report बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़कर संस्था के बारे में अवगत कराया। 15 अगस्त, 26 जनवरी, 14 नवम्बर, 3 दिसम्बर, क्रिसमस, होली, दिवाली, दशहरा के अवसर पर संस्था में

कार्यक्रम आयोजित कराया। संस्था में बच्चों के Birthday Celebrate कराए। इस वर्ष ममता, आशीष, इशा, कुशल, जितेश, राहुल, पूजा, प्रियंका, ज्याति आदि का जन्मदिन सभी बच्चों के साथ मनाया गया। संस्था में गरीब/असहाय बच्चों को स्टेशनरी/ड्रैस वितरित करायी गई। 15 बच्चों के मानसिक दिव्यांग के प्रमाण पत्र बनवाये गये। 15 बच्चों के पहचान–पत्र/ बच्चों के आधार कार्ड/बैंक खाते संबंधी जानकारी अभिभावकों को दी गई। अभिभावकों को जागरुक करने के लिए संस्था में 2 Health Camp लगाये गये जिसमें एक हड्डियों का, दूसरा दाँतों का कैंप। संस्था द्वारा S.B.I. Bank द्वारा खाते संबंधी Cashless Payment की प्रणाली की जानकारी देने के लिए कैंप लगवाया गया। संस्था में बच्चों को सरकार द्वारा मिलने वाली सुविधाओं के बारे में Parents को अवगत कराया गया। संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाओं की जन–जन तक जानकारी हो इसके लिए Website पर सभी प्रशिक्षण की पूरी तरह जानकारी उपलब्ध करायी। संस्था में Innerwheel Club/Lions Club/PGIMS/Education College, Social Work Students के माध्यम से संस्था में Event कराये गये। संस्था में खानपुर कलां यूनिवर्सिटी की MSW (Social Work) की Students की Internship करायी गई। M.D.U. की 6 Students की Internship, B.c. Home Science की 5 Students की Internship संस्था में करायी गई ताकि संस्था की सुविधाओं में और अधिक निखार आये। रैड क्रॉस द्वारा लगाये गये Camps में बच्चों को M.R. Kitt व अन्य सामान हेतु Registratrion कराया गया। संस्था की साख व पहचान को समाज में सन्देश देने के लिए इसका NASHYO Award List के लिए Proposal भेजा।

खेल–क्रीड़ाओं में उपलब्धियाँ

1. इस वर्ष 15 अक्तूबर 2016 के 24 बच्चों ने फुटबाल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, रेस, शॉटपुट में भाग लिया।

2. केशव मलिक ने State level में जीत हासिल करके बैडमिंटन में National के लिए Qualify किया। 1 गोल्ड मैडल प्राप्त किया।

3. गगन व ईशा दोनों ने Table Tennis की भी State level पर सिल्वर मैडल प्राप्त कर जीत हासिल की व National के लिए जगह बनाई।

4. आशीष 50 मीटर की दौड़ में प्रथम, राहुल राठी 50 मीटर दौड़ में प्रथम आया। मिट्ठू 100 मीटर की दौड़ में प्रथम, निरपेन्द्र 100 मीटर की दौड़ में प्रथम, संजय 50 मीटर की दौड़ में 2^{nd}, राहुल 100 मीटर की दौड़ में 3rd रहा। आशा 100 मीटर में प्रथम, स्नेहा 100 मीटर की दौड़ में $3^{rd,}$ प्रीति 50 मीटर में 4^{th}, तमन्ना बोली Singer में 1st आई।

5. प्रियंका वॉली Singer में 2nd स्थान पर रही।

6. Myas Games में फुटबॉल टीम अर्पण हरियाणा में अकेली संस्था है जिसके 5 बच्चों का Selection हुआ है। वह जून 2017 National में गुजरात में खेलेंगे जिनके नाम अरूण, रोहित, नितिन, कार्तिक, जितेश।

7. 6 मई 2017 को मिल्ट्री छावनी, हिसार में Net Ball में अर्पण के छात्रों ने भाग लिया, जिसके लिए 2 लड़कियों का Net Ball में राजीव गांधी स्टेडियम में प्रशिक्षण चल रहा है।

विशेष शिक्षा

वर्ष 2016–2017 के दौरान अर्पण संस्था में 8 ग्रुपों में बच्चों को शिक्षण/प्रशिक्षण देने का कार्य किया। सभी विशेष ग्रुपों के नाम निम्नलिखित हैं :–

1. प्री–प्राईमरी ग्रुप

2. प्राईमरी ग्रुप प्रथम

3. प्राईमरी द्वितीय

4. प्री–वोकेशनल ग्रुप – ए

5. प्री–वोकेशनल ग्रुप – बी

6. वोकेशनल ग्रुप प्रथम (Girls)

7. वोकेशनल ग्रुप द्वितीय

8. एजुकेबल ग्रुप

उपरोक्त 8 ग्रुपों की उपलब्धि इस प्रकार रही :–

1. प्री–प्राइमरी ग्रुप में बच्चों की व्यक्तिगत कार्यों में अमित, सिद्धार्थ, लक्ष्य, बोनी–अंकित ने 70% उपलब्धि पाई। शैक्षणिक कार्य में पूरे ग्रुप की 35–50% उपलब्धि रही। Social Skill में 30–70% उपलब्धि रही। ग्रुप की अभिभावक की कुल 70 Visit हुई।

2. प्राइमरी प्रथम – इस ग्रुप में शैक्षणिक कार्य 35–50% उपलब्धि रही, व्यक्ति काय में 40–60%, डोमेस्टिक कार्य Overall 40%, 15 अगस्त एवं 26 जनवरी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में मोहित, सोनू, अनमोल, शिवम ने भाग लिया, द्वितीय पुरस्कार। पीयूष ने विश्व डाऊन सिण्ड्रोम के उपलक्ष्य में ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लिया।

3. **प्राइमरी द्वितीय** – इस ग्रुप में सभी बच्चों की Social Skill – 70% उपलब्धि रही। इस ग्रुप में अनमोल, तमन्ना, संजय, राहूल, स्नेहा आदि ने ग्रुप डांस में भाग लिया व द्वितीय पुरस्कार से संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। इस ग्रुप में Academic Group में 40–60% उपलब्धि रही। इस ग्रुप में डाऊन सिण्ड्रोम डे, आटिजम डे के अवसर पर ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लिया।

4. **प्री वोकेशनल ग्रुप–A** – इस ग्रुप में 10–12 बच्चों ने Academic – 40–50%, Social में 50%, Vocational skilll में 50–60% उपलब्धि हासिल की। इस ग्रुप की प्रीति, मोनिका, आशा, राहुल ने गणतंत्र दिवस, स्वतंत्र दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। राहुल सरीन ने आटिज्म डे पर ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लिया, प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इस ग्रुप में दीपांशु की Placement Shop पर हुई।

5. **प्री–वोकेशनल ग्रुप–B** – इस ग्रुप ने Overall 50 से 70% उपलब्धि हासिल की। जिसमें Academic में 40–60%, Personal 60–70% उपलब्धि हासिल की।

6. **वोकेशनल ग्रुप** – इस ग्रुप में मधु, सारिका, इशा, पूजा ने 60% उपलब्धि पाई। Academic में सारिका, इशा, पूजा ने 70%, हरप्रीत ने 10% Social Skill में 70%। इस ग्रुप की रीतू की घरेलू कार्य में निपुण किया गया, अब वह सामाज की मुख्य धारा से जुड़ कर सामान्य जीवन व्यतीत कर रही है।

7. **Educable Group** – इस ग्रुप में बच्चों ने 70% से 80% उपलब्धि हासिल की। इस ग्रुप के नितिन, हर्षित की Placement की गई। गगन को राष्ट्रीय ड्राइंग प्रतियोगिता में पुरस्कार मिला। निरपेन्द्र को, कार्तिक को ड्राइंग में पुरस्कार मिला।

संस्था द्वारा दिये जा रहे केयर ग्रुप प्रशिक्षण में पार्थ, रितिक, प्रतीक की 60–70% वार्षिक उपलब्धि रही। केयर ग्रुप में प्रशिक्षण ले रहे बच्चों को शारीरिक व बौद्धिक अक्षमता ज्यादा होती है। इसलिए उन्हें एक प्रशिक्षित स्पेशल एजुकेटर के पास शिक्षण/प्रशिक्षण देने की व्यवस्था कराई जाती है जिसमें बच्चों की सभी गतिविधियों में जल्दी सुधार आता है। बच्चा स्वयं से अपना कार्य करना सीख जाता है। बच्चे की फिजियोथैरेपी व स्पीच थैरेपी, शिक्षण/प्रशिक्षण से उसके बौद्धिक स्तर में जल्दी सुधार आाता है।

2. भौतिक सुविधा :–

संस्था में शारीरिक व मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की शारीरिक अशक्तता की जांच करके उसे प्रतिदिन नियमानुसार भौतिक चिकित्सा की सुविधा प्रदान की जाती है। जिसमें संस्था में बने फिजियाथैरेपी हॉल में ही बच्चों को साइकिल चलाना, सीढ़ियां चलाना, हाथ–पैरों व गर्दन की exercise कराना, बॉल से खेलना, थैरेपी सुविधा देना, Walk Machine पर चलना सीखाना, लॉकर खोलना, ब्लॉक्स लगाना, वॉकर में चलना, जैसे विभिन्न प्रकार की शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ताकि बच्चों का शारीरिक विकास हो सके, अपना प्रतिदिन का कार्य बच्चे स्वयं से करना आरम्भ करें। इस समय 40 विद्यार्थी फिजियोथैरेपी ले रहे हैं।

फिजियो में वर्ष 2016–17 में कुल बच्चों को शारीरिक प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की गई। जिसमें केयर ग्रुप में प्रशिक्षण ले रहे बच्चों में 65–75% सुधार आया है जिसमें मोहित को साइकलिंग, सीढ़ियां चढ़ने उतरने से उसके पैरों का ढीलापन दूर हुआ है। सिमरन बच्चे की sitting में 50% सुधार आया है। केशव में हाथ–पैरों की exercise कराने से 60% सुधार आया है। मधु, पूजा, ईशा, मेघा, मोहित, सुधीर, सन्नी, तरूण, गौरव को साइकलिंग प्रशिक्षण से 75% सुधार आया है। बाकी बच्चों में प्रशिक्षण जारी है।

3. स्पीच थैरेपी सेवाएं –

वर्ष 2016–17 में बच्चों में 70–75% स्पीच में सुधार आया। वाक स्पष्ट न होने के कारण बच्चे अपनी बात को स्पष्ट नहीं कर पाते, इसलिए वाक्य संबंधी त्रुटियों को दूर करने के लिए स्पीच थैरेपी सेवाएं दी जाती है। बच्चों को स्पीच थैरेपी प्रतिदिन समय सारिणीनुसार दी जाती है। जिसमें प्रारम्भ से ही बच्चों को अटकने वाले शब्दों का चयन करके उसे बार–बार स्पष्टीकरण करके बुलवाया जाता है। फूंक मारना, मुंह में हवा भरना, स्ट्रा से पानी, दूध, जूस पिलाने की आदत डालना इत्यादि। संस्था में सभी बच्चों में 70–75% स्पीच में सुधार आया है। जिसमें अक्षय (केयर ग्रुप)

पापा–मामा करना सीखा है। टीनी केयर ग्रुप में बुम–पानी, टॉफी, खाना, स्नान करना सीखी। अनुज, आकाश, सोनू, लक्ष्य, मोहित, अमित, अमृत, अर्पित में 40% सुधार आया है। अन्नु बॉबी, रीतिक, प्रीति, मोनिका, अजय, सोमबीर में 60% सुधार आया है। बच्चों के अभिभावकों को भी स्पीच थैरेपी संबंधी तकनीकियां बताई जाती हैं, ताकि घर पर बच्चों को अभ्यास कराया जा सके।

4. मनोवैज्ञानिक आंकलन –

सर्वप्रथम बच्चे की मानसिक मंदता की जांच की जाती है, बौद्धिक स्तर का पता लगाया जाता है व बच्चे से संबंधित मानसिक विकलांगता के कारणों का पता लगाया जाता है व बच्चों की वास्तविक आयु, मानसिक आयु में अंतर देखकर, उसकी वास्तविक आयु का पता लगाया जाता है कि बच्चे की वर्तमान स्थिति क्या है, वह कितने साल के बच्चे के दिमाग के अनुसार कार्य कर सकता है या उसमें सुधार होने की क्या–क्या संभावनाएं हैं इत्यादि। बच्चे को शिक्षण–प्रशिक्षण के माध्यम से उसे प्रशिक्षित किया जाता है। उसकी चंचलता, व्यवहारात्मक समस्याओं की पहचान करके, अभिभावकों को घर पर सुधारात्मक वातावरण बनाये रखने का सुझाव देकर उन्हें जागरूक किया जाता है व समय–समय पर बच्चों की बुद्धि जाँच करके उसे विकासात्मक सुधारों की स्थिति का पता लगाया जाता है।

5. शीघ्र हस्तक्षेप –

संस्था द्वारा 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मानसिक विकलांगता की जांच होने के बाद अभिभावकों के साथ विचार–विमर्श करके शीघ्र हस्तक्षेप कार्यक्रम चलाया जाता है जिसमें कम आयु के बच्चों को प्रशिक्षण देकर उनमें सुधार किया जाता है। जिसमें फिजियोथैरेपी ज्यादा होती है और नियमित रूप से ट्रेनिंग से ही बच्चों का विकास होता है।

6. अभिभावक समूह –

इसमें अभिभावक शिक्षण कार्यक्रम के तहत अभिभावक का गठन 1993 में किया गया। यह अभिभावक संघ अर्पण संस्था के साथ मिलकर कार्य करते हैं। इसमें मानसिक बच्चों को आत्मनिर्भर बनाया जाता है जिसमें बच्चों को फाइल कवर बनाना, मोमबत्ती बनाना, लिफाफे बनाना, डोने बनाना तथा बुक बाइंडिंग इत्यादि सिखाया जाता है ताकि ये बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त करके बड़े होकर अपनी आजीविका कर सकें और किसी पर बोझ न बनें।

7. अभिभावक जागरुकता सेवाएं –

मानसिक विकलांग बच्चों के अभिभावकों को यह परामर्श दिया जाता है कि वह बच्चों को सही तरीके से घर पर, बाहर, ध्यान रखें, उन्हें नया करने के लिए प्रेरित करें। उनकी पसंद, नापसंद का ध्यान रखें, उनके दिमाग के हिसाब से उन्हें Trained करें। परिवार को समय–समय पर Visit दौरान बच्चे की प्रगति/विकास के बारे में अध्यापक परामर्श करे/सुझाव दे ताकि ये बच्चे समाज में आगे बढ़ सकें।

8. डोमेस्टिक प्रशिक्षक कार्य –

इस प्रशिक्षण में बच्चों को साफ–सफाई, कपड़ों की तह लगाना, तुरपाई करना, बटन लगाना, किचन में झाड़ू–पोंछा, बर्तन, सब्जी काटना, माला बनाना, अपने आप को तैयार करना, पानी गर्म करना, चाय–नूडल्स बनाने की विधि, सावधानी रखना, रोटी बनाना, चावल बनाना, गैस चलाना व बंद करना का प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें प्रशिक्षण अध्यापक के सामने कार्य कराया जाता है। वर्ष 2015–2016 में 10 बच्चों को निपुण किया गया, 45 बच्चे Training ले रहे हैं। डोमेस्टिक कार्य से निपुण एक छात्रा की इस वर्ष एक सामान्य व्यक्ति के साथ शादी हुई। वह सामान्य जीवनशैली जी रही है।

9. अभिभावक समूह बैठक –

संस्था में प्रत्येक चौथे शनिवार को अध्यापक व अभिभावक समूह मींटिग की जाती है जिसमें बालकों की उन्नति–प्रगति, सुधार, विचार–विमर्श, परामर्श किया जाता है। अभिभावकों को बच्चों की प्रगति व छुट्टियों के दौरान कार्य करने के बारे समझाया जाता है। नई–नई तकनीकों थैरेपी के विषय में जानकारी हो जाती है। इस वर्ष 1025 अभिभावक समूह बैठक हुई जिसमें डे–केयर, होस्टल सुविधा के अभिभावक शामिल होते हैं।

10. खेल क्रीड़ाएं –

वर्ष 2016–2017 में संस्था में समय अनुसार प्रतिदिन 2 घंटे तक Group wise बच्चों को स्तरानुसार विभिन्न खेलों को प्रशिक्षित प्रशिक्षक के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें बॉस्केट बॉल, हैंड बॉल, बैडमिंटन, दौड़, लाँग जंप, रस्सी कूदना, गोला फैंकना, लंबी कूद, टेबल–टेनिस, बॉस्केट बॉल, कैरम बोर्ड, सांप–सीढ़ी इत्यादि, जिससे बच्चों में स्फूर्ति आती है व जोश रहता है।

प्रत्येक माह शनिवार को संस्था में sports activity कराई जाती है जिसमें सभी बच्चों को दौड़, बाल से किक मारना, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, फुटबॉल इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

11. व्यवहारात्मक सेवाएं –

संस्था में व्यवहारात्मक निर्वाण के लिए व्यवहार सुधारात्मक कार्यक्रम भी चलाया जाता है। वर्ष 2016–17 में 50 मानसिक विकलांग बच्चों के व्यवहार सुधार कार्यक्रम लागू किये गये जिसमें 50 से 70 प्रतिशत सफलता प्राप्त की गई। 47 बच्चों की बुद्धि मापन किया गया, 30 बच्चों को Behaviour Therapy Plan बनाये गये।

12. व्यवसायिक प्रशिक्षण –

(1) पूर्व व्यवसायिक प्रशिक्षण –

10 वर्ष की आयु पश्चात् बच्चों को पूर्व व्यवसायिक प्रशिक्षण कौशल सिखाया जाता है जिसमें बच्चों को प्रशिक्षक द्वारा कागज मोड़ना, मशीन को चलाना, पेचकस व हथौड़े का प्रयोग, पेंच खोलना, बंद करना, कील मारना, पट्टी काटना, धागा डालना आदि की ट्रेनिंग दी जाती है।

(2) व्यवसायिक प्रशिक्षण –

संस्था द्वारा 1987 में व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र आरम्भ किया गया था। अब 2017 तक लगभग 2200 बच्चों को यह प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस व्यवसायिक प्रशिक्षण में संस्था द्वारा फाइल कवर बनाना, मोमबत्ती बनाना, चाक बनाना, बुक बाइंडिंग करना, मसाला पैकिंग, लिफाफे बनाना, डोने बनाना आदि। यह कार्य बच्चों के अभिभावकों से विचार–विमर्श करके, उनके परामर्श पर ही किया जाता है, ताकि इस प्रशिक्षण से अशक्त बच्चों में आत्मविश्वास की भावना पैदा हो, एक नई सोच से, अभिभावकों के मन को थोड़ी सी आशावादी सोच दे सके ताकि बच्चे भविष्य में अपनी आजीविका स्वयं कमा सकें, दूसरों पर निर्भर ना रहें।

(3) फाइल कवर बनाना –

वर्ष 2016–17 में कुल 18 बच्चों को फाइल कवर बनाने में निपुण किया। 20 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया। फाइल कवर बनाने का प्रशिक्षण प्रतिदिन ग्रुप के हिसाब से एक घंटा का समय निश्चित है, जिसमें प्रशिक्षण प्रशिक्षित अध्यापक की देखरेख में यह प्रशिक्षण सिखाया जाता है जिसमें फाइल कवर को मशीन में डालना, छेद करना, हुक डालना, पंचिंग करना, पट्टी लगाना, कटिंग करना, गिनती करना इत्यादि की प्रतिक्रियाएं शामिल हैं।

(4) डोने बनाना –

इस 2016–2017 के वर्ष में कुल 15 बच्चों को डोने की मशीन को चलाना सिखाया गया, जिसमें विशेष पेपर को एक साथ मशीन पर रखकर प्रैस करना होता है। फिर फिनिशंग से कटाई कराना। प्रतिदिन 1 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(5) लिफाफे बनाना –

15 बच्चों को लिफाफे बनाने की प्रक्रिया में निपुण किया गया है, जिसमें पेपर काटना, लेप लगाकर तह लगाना। छोटे–बड़े लिफाफे के अंतर को समझना। प्रतिदिन एक घंटा नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है।

(6) मोमबत्ती बनाना –

इस वर्ष कुल 32 बच्चों को मोमबत्ती में कलर डिजाईन, सांचे खोलना, धागे डालना, मोम पिघलाना, गर्म करना, कटिंग करना, पैकिंग करना, गिनती करना, लेबल लगाना इत्यादि का मौसम अनुसार दिवाली का प्रशिक्षण दिया गया है। तैयार मोमबत्तियों की विभिन्न जगहों की स्टाल लगाई जाती है। इसमें 70–80% बच्चों को निपुण किया गया है।

(7) बुक बाइंडिंग –

8 बालकों को बुक बाइंडिंग, कवर चढ़ाना, सिलाई करना, गत्ता लगाना, पट्टी लगाना, कैंची से पट्टी व कटिंग करना, उल्टे सीधे की पहचान करके बाइंडिंग करने का प्रशिक्षण दिया गया। 80% बच्चों से इस क्षेत्र में सुधार आया।

13. कम्प्यूटर प्रशिक्षण –

संस्था द्वारा वर्ष 2016–17 में कुल 18–20 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 12 बच्चों को निपुण किया गया, जिसमें हर्षित, केशव, नितिन, सन्नी, गगन,

कार्तिक, दिपांशु, पंकज व जयदीप को Computer को on/off करना। CPU, की बोर्ड, माउस, मॉनीटर इत्यादि की पूरी जानकारी है व Computer में Paint Brush करना, Cash Card Games, Counting करना, Colouring करना, Math के Sum करना, English में अपना Address लिखने का प्रशिक्षण प्राप्त है।

14. होस्टल सुविधा सेवाएं –

होस्टल सुविधा के तहत 30 बच्चों को होस्टल में प्रशिक्षण की सुविधा है। प्रत्येक होस्टल में एक हाउस मदर–10 बच्चे शामिल हैं। इस समय संस्था में 30 बालक सुविधा ले रहे हैं जिसकी 18 वर्ष के नीचे की उम्र में बच्चे शामिल होते हैं। लड़के–लड़कियों को अलग–अलग रखा जाता है व पोषण किया जाता है। सभी मल्टी डिसऐबल बच्चों को उनके स्तरानुसार प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। होस्टल सुविधा के तहत बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई जाती हैं। ये बच्चे अपना कार्य स्वयं कर लेते हैं, जिसमें व्यक्तिगत, सामाजिक, एकेडमिक, कार्य कराये जाते हैं। इन बच्चों में सुधार जल्दी होता है। समय–समय अनुसार होस्टल के बच्चे छुट्टियों के दौरान अपने घर जाते हैं व अभिभावकों को उन्हें घर पर सही वातावरण बनाये रखने व प्रेरित करने के लिए परामर्श किया जाता है।

वर्ष 2016–2017 में संस्था में बाहर से लगभग 41 (Visits) निरीक्षण हुए

Visits

1.	02–04–2016	पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक
2.	22–04–2016	श्रीमती यशिका जैन, रोहतक – इन्नर व्हील क्लब रोहतक
3.	20–05–2016	चौधरी चरण सिंह एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, हिसार, हरियाणा
4.	23–05–2016	महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक (Internship)

5.	23–05–2016	डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, रोहतक
6.	27–05–2016	G.N.M. Nursing College (Cragrus)
7.	30–05–2016	भारत विकास परिषद्, अशोक कुमार गुहा, नरेश जैन अध्यक्ष, राकेश गुप्ता, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, रोहतक
8.	06–07–2016	Rotary Club Members, Rohtak
9.	14–07–2016	डॉ. अभिनव ढुल, मुंबई
10.	08–07–2016	कर्नल राज सिंह, रोहतक
11.	05–08–2016	लायंस क्लब, रोहतक
12.	15–08–2016	रोटरी क्लब, रोहतक, राजेश जैन (LPS Bossard), सतीश बाबू गोयल CTM (Sh. Mahendra Pal), SDM Rohtak
13.	20–09–2016	Amba Care Centre (Bangalore), Miss Pavitra, Bharath, Raj.
14.	17–11–2016	K.V.M. Education College, Rohtak
15.	25–11–2016	जिला उपायुक्त, रोहतक, रोटरी क्लब
16.	26–11–2016	NCC Cadits, Saini Girls College, Rohtak
17.	03–12–2016	श्रीमती उषा गिरोहा, वकील रोहतक
18.	03–12–2016	श्रीमती इन्दू चौहान, वकील, रोहतक
19.	07–12–2016	राजनीति महिला मंडल, जनता कालोनी, रोहतक
20.	13–12–2016	डॉ. आशुतोष कौशिक, रोहतक

21.	16–12–2016	डॉ. प्रवीण मल्होत्रा, PGIMS, Rohtak, रोहतक
22.	19–12–2016	श्री विनोद अरोड़ा व उमेश आर्या, AGM, SBI Bank Rohtak
23.	23–12–2016	डॉ. रोहित नारा, रोहतक
24.	23–12–2016	B.Sc. FinalYear Students – Kiran, Darshana, Neelam, Rekha, Annu, Priyanka - Hissar
25.	31–12–2016	Dr. Parveen / Dr. Vanni Malhotra, PGIMS हरियाणा पंजाबी संघ, रोहतक
26.	08–02–2017	Mrs. Suman (with B.Sc. Nursing Students), K.V.M. Nursing College, Rohtak
27.	15–02–2017	फिजियो थैरेपी विभाग के छात्र बाबा मस्तनाथ अस्थल बोहर, रोहतक
28.	17–02–2017	P.G.I.M.S. Nursing College, Rohtak
29.	17–02–2017	C.B.R. Program Officer, New Delhi
30.	10–02–2017	B.Sc. Nursing Students2nd year, PGIMS, Rtk.
31.	28–02–2017	V.B. College of Education, Rohtak
32.	02–03–2017	K.V.M. Nursing College, Rohtak
33.	03–03–2017	Mrs. Jyoti Sood, Blooming Dale Club, Rohtak
34.	08–03–2017	Mr. Mukesh, Advocate, Rtk.
35.	21–03–2017	Miss Ishu / Jyoti, Rohtak

36.	24–03–2017	MBBS Students from PGIMS, Rohtak
37.	28–03–2017	Mr. Sudhir Phogat, OSD इस्पात मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली
38.	30–03–2017	I.P. College for Women, Jhajjar – 20 Social Worker Students
39.	05–04–2017	सविता आर्या, अध्यक्ष, नारी तू नारायणी उत्थान समिति, पानीपत
40.	10–04–2017	B.Sc. Nursing PGIMS, Rohtak
41.	18–04–2017	P.G.I.M.S. M.Sc. Students, Rohtak

❖❖❖❖❖❖❖❖❖❖

Secretary

Indian Red Cross Society

Rohtak